ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

PARMATMA SE DOSTI
गुणमुर्त भव:
ओम् शान्ति
गुण 36 नहीं केवल
1 ही बहुत है वो है किसी में
अवगुण ना देखना।

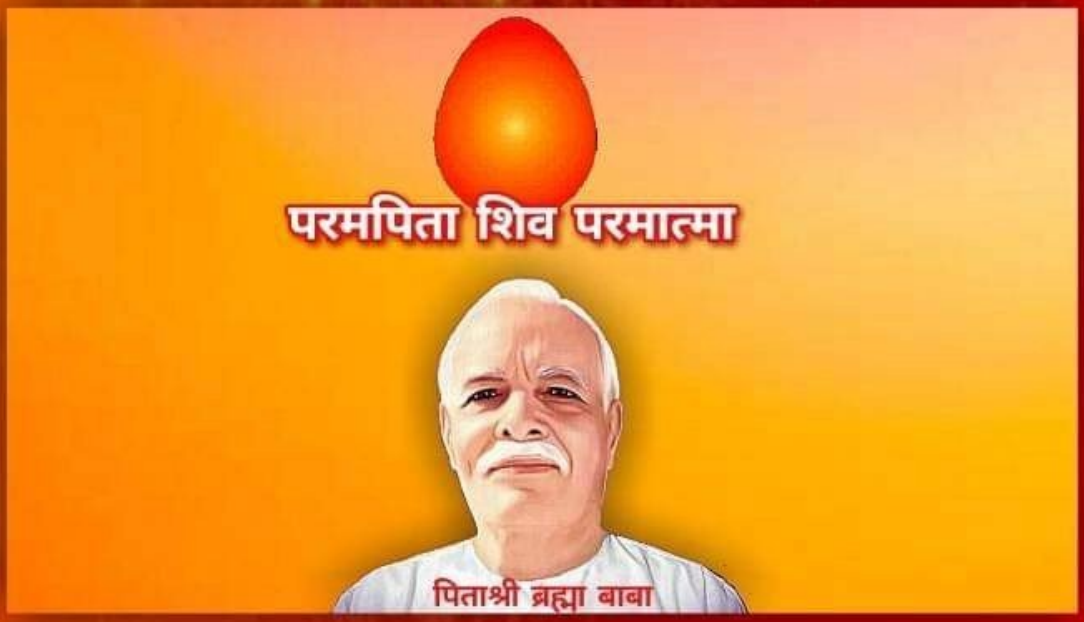

Om Shanti

निराकारी निर्विकारी निरंहकारी

यह ब्रह्मा बाप के संस्कार ही आपके संस्कार नेचुरल हों, सदा इन्हीं श्रेष्ठ संस्कारों को सामने रखो सारे दिन मे हर कर्म के समय चेक करो कि तीनों ही संस्कार इमर्ज रूप में हैं इन्हीं संस्कारों को धारण करने से स्व परिवर्तक सो विश्व परिवर्तक बन जायेंगे

Join Brahma Kumaris

"सब कुछ तेरा और तेरा कहने से ही फायदा है"

विनाशी धन या विनाशी सम्बन्ध के तरफ बुद्धि तो नहीं जाती? अभी मेरा रहा ही नहीं। "मेरे पास बहुत धन है" - यह संकल्प या स्वप्न में भी नहीं होगा क्योंकि सब बाप के हवाले कर दिया। मेरे को तेरा बना लिया ना! या मेरा, मेरा ही है और बाप का भी मेरा है। ऐसे तो नहीं समझते? यह विनाशी तन-धन, पुराना मन, मेरा नहीं, बाप को दे दिया। पहला-पहला परिवर्तन होने का संकल्प ही यह किया कि सब कुछ तेरा और तेरा कहने से ही फायदा है। इसमें बाप का फायदा नहीं है, आपका फायदा है। क्योंकि मेरा कहने से फंसते हो, तेरा कहने से न्यारे हो जाते हो। मेरा कहने से बोझ वाले बन जाते हो और तेरा कहने से डबल लाइट "ट्रस्टी" बन जाते हो। तो क्या अच्छा है - हल्का बनना अच्छा है या भारी बनना अच्छा है? आजकल के जमाने में शरीर से भी कोई भारी होता तो अच्छा नहीं लगता। सभी अपने को हल्का करने का प्रयत्न करते हैं। क्योंकि भारी होना माना नुकसान है और हल्का होने से फायदा है। ऐसे ही मेरा-मेरा कहने से बुद्धि पर बोझ पड़ जाता है, तेरा-तेरा कहने से बुद्धि हल्की बन जाती है। जब तक हल्के नहीं बने तब तक ऊँची स्थिति तक पहुँच नहीं सकते। उड़ती कला ही आनन्द की अनुभूति कराने वाली है। हल्का रहने में ही मजा है। अच्छा!

अव्यक्त बापदादा – 01 / 12 / 89

/AvyaktMurliEssence

Diamond Morning

अनमोल विचार

परमात्मा कहते हैं, मेरे लाड़ले बच्चे, तुम्हारे साथ जो कुछ हो रहा है चाहे अच्छा या बुरा, यह सब तुम्हारे पिछले जन्म के कर्मों का फल है मैं किसी के कर्मों में दखलअ़दाजी नहीं करता , मैं तो केवल अच्छे कर्म करने का ज्ञान देता हूं यानी सही रास्ता दिखाता हूं । तुम जैसे बीज बोओगे वैसे ही फल काटोगे, यही कुदरत का नियम है । इसलिए तुम हमेशा अच्छे कर्म करते रहो।

/Spiritual Connection

जितना मीठा, प्यारा बनेंगे उतना परमपिता परमात्मा शिव भी खुश होंगे, ज्ञानी तू आत्मा बाबा को बहुत पसंद है।

The noblest of all tasks is that of cleaning one's heart.

BRAHMA KUMARIS

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org